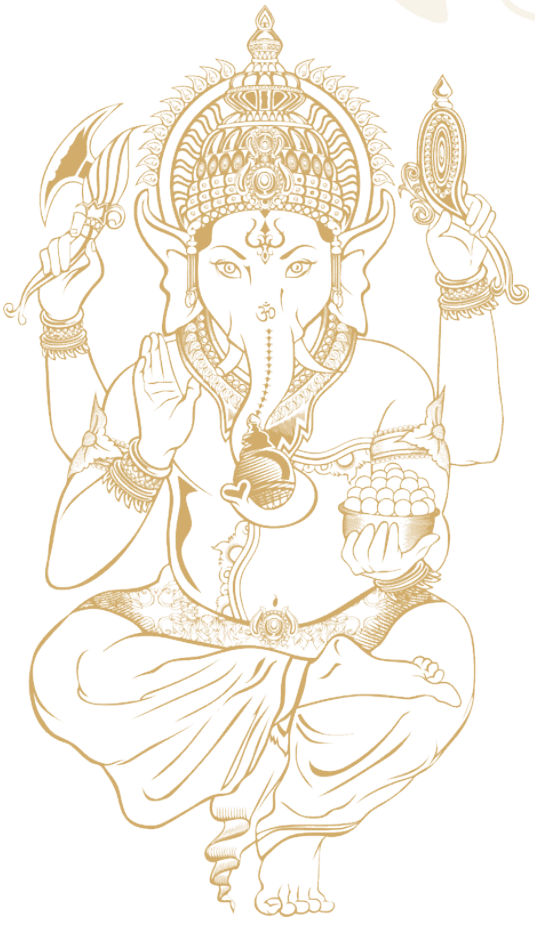

Sn Tiwari

26 Jul 1989

05:05 AM

Gorakhpur

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121944510

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/07/1989**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:05:00 घंटे**
इष्ट	59:28:55 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:08:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:29 घंटे
साम्पातिक काल	01:23:08 घंटे
सूर्योदय	05:17:26 घंटे
सूर्यास्त	18:48:06 घंटे
दिनमान	13:30:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:15:48 कर्क
लग्न के अंश	05:39:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:39:10	310:04:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			कर्क	09:15:48	00:57:20	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	14:48:17	14:09:05	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	00:53:06	00:37:41	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	कर्क	17:45:22	01:58:45	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	05:14:52	00:12:35	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	08:35:59	01:12:19	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	15:15:12	00:03:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	02:17:49	00:00:34	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	02:17:49	00:00:34	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	08:26:49	00:01:58	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप	व		धनु	16:41:06	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	18:39:17	00:00:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	28:45:39	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:51

लग्न-चलित

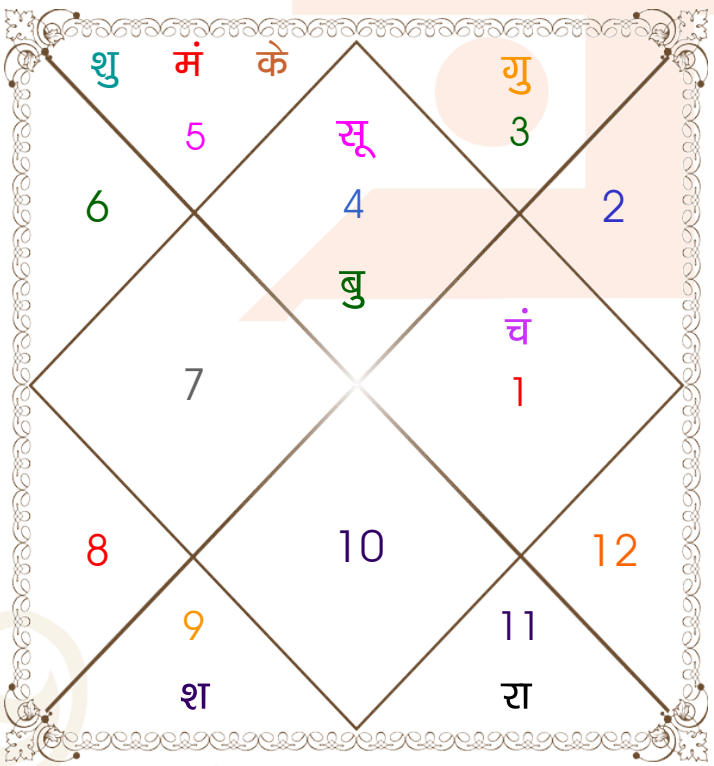

चन्द्र कुंडली

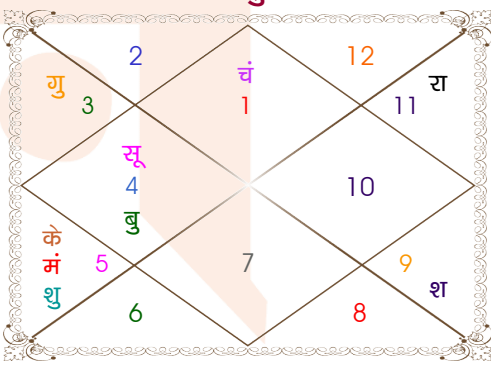

नवमांश कुंडली

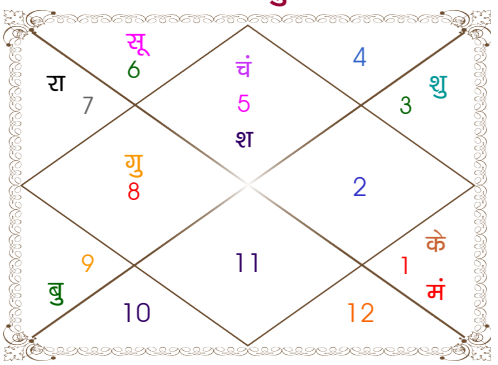

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 9 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/07/1989		12/05/2007		11/05/2013		12/05/2023		11/05/2030	
12/05/2007		11/05/2013		12/05/2023		11/05/2030		11/05/2048	
शुक्र	10/09/1990	सूर्य	29/08/2007	चंद्र	11/03/2014	मंगल	08/10/2023	राहु	21/01/2033
सूर्य	10/09/1991	चंद्र	28/02/2008	मंगल	10/10/2014	राहु	25/10/2024	गुरु	17/06/2035
चंद्र	11/05/1993	मंगल	05/07/2008	राहु	10/04/2016	गुरु	01/10/2025	शनि	23/04/2038
मंगल	11/07/1994	राहु	29/05/2009	गुरु	10/08/2017	शनि	10/11/2026	बुध	09/11/2040
राहु	11/07/1997	गुरु	18/03/2010	शनि	12/03/2019	बुध	07/11/2027	केतु	28/11/2041
गुरु	11/03/2000	शनि	27/02/2011	बुध	10/08/2020	केतु	04/04/2028	शुक्र	28/11/2044
शनि	12/05/2003	बुध	04/01/2012	केतु	11/03/2021	शुक्र	04/06/2029	सूर्य	22/10/2045
बुध	11/03/2006	केतु	11/05/2012	शुक्र	10/11/2022	सूर्य	10/10/2029	चंद्र	23/04/2047
केतु	12/05/2007	शुक्र	11/05/2013	सूर्य	12/05/2023	चंद्र	11/05/2030	मंगल	11/05/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/05/2048		11/05/2064		12/05/2083		12/05/2100		13/05/2107	
11/05/2064		12/05/2083		12/05/2100		13/05/2107		00/00/0000	
गुरु	29/06/2050	शनि	15/05/2067	बुध	07/10/2085	केतु	08/10/2100	शुक्र	27/07/2109
शनि	09/01/2053	बुध	22/01/2070	केतु	04/10/2086	शुक्र	08/12/2101		00/00/0000
बुध	17/04/2055	केतु	03/03/2071	शुक्र	04/08/2089	सूर्य	15/04/2102		00/00/0000
केतु	23/03/2056	शुक्र	02/05/2074	सूर्य	11/06/2090	चंद्र	14/11/2102		00/00/0000
शुक्र	22/11/2058	सूर्य	14/04/2075	चंद्र	10/11/2091	मंगल	12/04/2103		00/00/0000
सूर्य	10/09/2059	चंद्र	12/11/2076	मंगल	06/11/2092	राहु	30/04/2104		00/00/0000
चंद्र	09/01/2061	मंगल	22/12/2077	राहु	27/05/2095	गुरु	06/04/2105		00/00/0000
मंगल	16/12/2061	राहु	28/10/2080	गुरु	01/09/2097	शनि	15/05/2106		00/00/0000
राहु	11/05/2064	गुरु	12/05/2083	शनि	12/05/2100	बुध	13/05/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 9 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।